स्वेज नहर के बन्द होने के परिणाम-स्वरूप आयात और निर्यात पर अतिरिक्त व्यय

2229. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या विदेश व्यापार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या स्वेज नहर के बन्द होने के परिणामस्वरूप सरकार को आयात और निर्यात पर भाड़े में अधिक रुपया व्यय करना पड़ा है; और

(ख) यदि हाँ, तो गत तीन वर्षों में इस कारण सरकार को भारतीय और विदेशी मुद्रा के रूप में कुल कितना व्यय करना पड़ा ?

विदेश व्यापार मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री ए० सी० जार्ज) : (क) जी हाँ। स्वेज नहर के बन्द हो जाने के परिणामस्वरूप भारत को आयातों तथा निर्यातों पर भाड़े में पहले से अधिक व्यय करना पड़ रहा है।

(ख) हमारे आयातों/निर्यातों पर दिये गये भाड़े के आँकड़े नहीं रखे जाते हैं।

स्वेज नहर के बन्द हो जाने के परिणाम-स्वरूप, जहाँ तक सरकारी हिसाब में आयातों पर भाड़े के रूप में अतिरिक्त व्यय का संबंध है, अनुमान है कि विगत तीन वर्षों में प्रति माह 1 करोड़ रु० का औसतन व्यय हुआ।

सिन्धु नदी परियोजना में प्रगति

2230. **श्री हुकम चन्द कछवाय** :
श्री अरविन्द नेटम :

क्या **सिंचाई और विद्युत** मंत्री 22 जून, 1971 के अतारांकित प्रश्न संख्या 2750 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सिन्धु नदी परियोजना के प्रथम चरण की परियोजना रिपोर्ट पर टिप्पणियाँ इस बीच राज्य सरकार को भेज दी गई हैं;

(ख) क्या इस परियोजना के संबंध में अंतिम निर्णय कर लिया गया है; और

(ग) उक्त कार्य कब तक आरंभ और पूर्ण किया जाएगा ?

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री बैजनाथ कुरील) : (क) जी हाँ।

(ख) और (ग). केंद्रीय जल तथा विद्युत आयोग की टिप्पणियों पर बिहार सरकार का उत्तर अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है।

बिहार सरकार से स्पष्टीकरण प्राप्त होने पर परियोजना पर आगे कार्यवाही की जाएगी।

उत्तर रेलवे में खपाये गये असिस्टेंट परमानेंट वे-इंस्पैक्टर्स की शिकायतें

2231. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर रेलवे में असिस्टेंट परमानेंट वे-इन्सपैक्टर्स के रूप में अब खपाये गये पश्चिम रेलवे के भूतपूर्व असिस्टेंट इन्सपैक्टर आफ वेज के [illegible] किये गये कथित अन्याय के संबंध में उन्हें 20 जुलाई का अभ्यावेदन संख्या बी० एन० ए०/ईजिंग/70 प्राप्त हुआ है;

(ख) यदि हाँ, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) उस पर क्या कार्यवाही की गयी है ?

रेल मंत्री (श्री के० हनुमन्तैया) : (क) जी हाँ।

(ख) डा० बी० एन० अस्तनी, संसद सदस्य, राज्य सभा से एक नोट उनके 20-7-70 के पत्र सं० बी० एन० ए०/इंजी०/70 के